Yogoda Satsanga Mahavidyalaya
B. Com Semester – VI (C-13) CBCS
Subject: Auditing & Corporate Governance
Topic: **Introduction to Auditing & its Objectives**

Ravindra Kumar, Associate Professor Department of Commerce

ऑडिटिंग का परिचय

ऑडिटिंग का मतलब

ऑडिटिंग किसी संगठन के वित्तीय विवरण, रिकॉर्ड, लेनदेन और संचालन की व्यवस्थित जांच और मूल्यांकन है। प्राथमिक उद्देश्य लागू कानूनों और विनियमों की सटीकता, विश्वसनीयता और अनुपालन सुनिश्चित करना है। ऑडिटिंग में किसी इकाई के वित्तीय स्वास्थ्य और परिचालन अखंडता का स्वतंत्र मूल्यांकन शामिल होता है, जो एक ऑडिटर या ऑडिट फर्म द्वारा किया जाता है।

"ऑडिट" शब्द की उत्पत्ति लैटिन शब्द "ऑडायर" से हुई है, जिसका अर्थ है "सुनना।" ऐतिहासिक रूप से, ऑडिटिंग में ऑडिटर कंपनी के अधिकारियों से वित्तीय जानकारी के स्पष्टीकरण को सुनते थे। आज, ऑडिटिंग में गतिविधियों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है, जिसमें दस्तावेज़ों का सत्यापन, अनुपालन की जाँच और आंतरिक नियंत्रण का आकलन शामिल है।

लेखापरीक्षा की वस्तुएँ

ऑडिटिंग के उद्देश्यों को मोटे तौर पर दो श्रेणियों में वर्गीकृत किया जा सकता है: प्राथमिक और गौण उद्देश्य।

1. प्राथमिक उद्देश्य

- वित्तीय विवरणों का सत्यापन: ऑडिट का प्राथमिक लक्ष्य वित्तीय विवरणों की सटीकता और विश्वसनीयता को सत्यापित करना है। इसमें यह जांचना शामिल है कि वित्तीय विवरण संगठन की वित्तीय स्थिति और प्रदर्शन का सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण प्रस्तुत करते हैं।

- त्रुटियों और धोखाधड़ी का पता लगाना और रोकथाम: लेखा परीक्षकों का लक्ष्य वित्तीय रिकॉर्ड में त्रुटियों और धोखाधड़ी का पता लगाना है। लेन-देन को रिकॉर्ड करने में त्रुटियाँ अनजाने में हुई गलतियाँ हो सकती हैं, जबकि धोखाधड़ी में जानबूझकर हेरफेर या वित्तीय जानकारी की गलत प्रस्तुति शामिल है।

2. गौण उद्देश्य

- कानूनों और विनियमों का अनुपालन: लेखा परीक्षक यह आकलन करते हैं कि संगठन प्रासंगिक कानूनों, विनियमों और लेखांकन मानकों का अनुपालन कर रहा है या नहीं। यह सुनिश्चित करता है कि इकाई का संचालन कानूनी आवश्यकताओं का पालन करता है।

- आंतरिक नियंत्रण का आकलन: किसी संगठन की आंतरिक नियंत्रण प्रणालियों की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करना महत्वपूर्ण है। ऑडिटर जाँच करते हैं कि त्रुटियों और धोखाधड़ी को रोकने और उनका पता लगाने के लिए आंतरिक नियंत्रण पर्याप्त हैं या नहीं।

- दक्षता और प्रदर्शन का मूल्यांकन: ऑडिट में संगठन के भीतर विभिन्न विभागों या प्रक्रियाओं की दक्षता और प्रदर्शन का मूल्यांकन भी शामिल हो सकता है। इससे सुधार के क्षेत्रों की पहचान करने और संसाधन उपयोग को अनुकूलित करने में मदद मिलती है।

- हितधारकों को आश्वासन प्रदान करना: वित्तीय विवरणों पर एक स्वतंत्र राय प्रदान करके, लेखा परीक्षक निवेशकों, लेनदारों और नियामकों जैसे हितधारकों को वित्तीय जानकारी की सटीकता और विश्वसनीयता के बारे में आश्वासन प्रदान करते हैं।

- सुधार के लिए सिफारिशें: अपने निष्कर्षों के आधार पर, लेखा परीक्षक वित्तीय प्रथाओं, आंतरिक नियंत्रण और समग्र परिचालन दक्षता में सुधार के लिए प्रबंधन को सिफारिशें प्रदान करते हैं।

निष्कर्ष

वित्तीय जानकारी की अखंडता और विश्वसनीयता सुनिश्चित करने में ऑडिटिंग महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह संगठनों को पारदर्शिता बनाए रखने, कानूनी आवश्यकताओं का अनुपालन करने और हितधारकों के साथ विश्वास बनाने में मदद करता है। आंतरिक नियंत्रण में कमजोरियों की पहचान करके और सुधार के लिए सिफारिशें प्रदान करके, ऑडिटिंग किसी संगठन के संचालन की समग्र दक्षता और प्रभावशीलता में योगदान देता है।